अतीत से वर्त्तमान

भाग–3

कक्षा–8

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार, द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत पाठ्य-पुस्तकों का निःशुल्क वितरण । क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

सर्व शिक्षा अभियान : 2013 - 14 - 16,68,659

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य–पुस्तक भ ा व न , ब ु (म ा ग ̔ , पटना–800 001 द्वारा प्रकाशित तथा भारत प्रिंटिंग वर्क्स, जयप्रकाश नगर, रोड नं–6, पटना–25 द्वारा एच॰पी॰सी॰ के 70 जी॰एस॰एम॰, क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर ;वाटर मार्कद्ध तथा एच॰पी॰सी॰ के 130 जी॰एस॰एम॰ ह्वाईट ;वाटर मार्कद्ध आवरण पेपर पर कुल 7,65,922 प्रतियाँ 24 x 18 से.मी. साईज में

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया। इस क्रम में शैक्षिक सत्रा 2010–11 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पाठ्य–पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयीं। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार,पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्राण कर मुद्रित की गयीं। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्रा 2011–12 के लिए वर्ग–II, IV एवं VII तथा शैक्षिक सत्रा 2012–13 के लिए वर्ग V एवं VIII की नई पाठ्य–पुस्तकें बिहार राज्य के छात्रा/छात्राओं के लिए उपलब्ध करायी गयीं। साथ–ही–साथ वर्ग I से VIII तक की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप भी शैक्षिक सत्रा 2013–14 के लिए एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार, पटना के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्राी, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्राी, श्री पी॰के॰ शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधन सचिव, श्री अमरजीत सिन्हा के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन॰सी॰इ॰आर॰टी॰, नई दिल्ली तथा एस॰सी॰ई॰आर॰टी॰, बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम छात्राों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सि(हो सके।

जे॰ के॰ पी॰ सिंह, भा॰ रे॰ का॰ से॰
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य–पुस्तक प्रकाशन निगम लि॰

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक अतीत से वर्त्तमान भाग– III कक्षा– VIII राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा राष्ट्रीय पाठ्य–चर्या की रूपरेखा 2005 पर आधारित है, जो राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार, पटना द्वारा बी.सी.एफ. 2008 के सिद्धान्त, दर्शन तथा शिक्षा शास्त्रीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

इस पुस्तक को विकसित करने के लिए राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार द्वारा समय–समय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें बिहार के शिक्षक समूह एवं अन्य विषय विशेषज्ञों का सहयोग सराहनीय रहा।

चूँकि यह पाठ्यपुस्तक आधुनिक काल के भारतीय इतिहास से संबंधित है, इसलिए इसका उद्देश्य भारत में कम्पनी शासन की स्थापना, उसका सुदृढ़ीकरण, उपनिवेशवाद एवं जनजातीय समाज की संरचना, उस काल में भारतीय शिल्प एवं उद्योग, शहरीकरण एवं नये शहरों का उदय, अंग्रेजी शासन एवं शिक्षा और महिलाओं की स्थिति एवं उसमें सुधार से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। इस पुस्तक में सन् 1857 ई. के सिपाही विद्रोह को आधार बनाकर भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया है। साथ ही विद्यार्थी बिहार के उन गुमनाम शहीदों के विषय में भी जानकारी हासिल करेंगे जिनका नाम सिर्फ इतिहास के पन्नों में दबकर रह गया है। उन्नीसवीं शताब्दी में भारत के राष्ट्रीय आंदोलन तथा औद्योगिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास में बिहार के अमूल्य योगदानों को समझने में भी यह पुस्तक विद्यार्थियों की मद्द करेगी। इस पुस्तक के माध्यम से विद्यार्थी यह जानकारी भी हासिल कर सकेंगे कि स्वातंत्र्योत्तर भारत में क्षेत्रीय विकास एवं राष्ट्रीय एकता के विकास के लिए सरकार की क्या योजनाएँ हैं, ताकि देश में शांति एवं सद्भावना कायम हो सके।

पाठ्यपुस्तक का अन्तिम अध्याय आधुनिक भारत के प्रमुख इतिहासकार डॉ. कालिकिंकर दत्त के जीवनी, व्यक्तित्व एव लेखन पर आधारित है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में इतिहास लेखन एवं उनके अध्ययन के प्रति रूचि पैदा करना है।

इस पुस्तक के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रवाद की भावना विकसित कर उन्हें राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता एवं समाजवाद जैसी संवैधानिक परिकल्पनाओं के पथ पर अग्रसर करना भी है।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक के द्वारा शिक्षक एवं विद्यार्थी के बीच सहयोगात्मक रूख अपनाते हुए शिक्षण प्रक्रिया को आनन्ददायी, बाल–केन्द्रित, सुगम तथा प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि विद्यार्थियों में क्रियाशीलता तथा रूचि पैदा हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रत्येक पाठ के बीच–बीच में गतिविधियाँ तथा क्रियाशीलन के प्रश्न दिए गए हैं।

इस पाठ्यपुस्तक के विकास में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना एवं यूनिसेफ, बिहार, पटना का योगदान उल्लेखनीय है। इस पुस्तक के पाण्डुलिपि को तैयार करने में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली, त्रिमूर्ति भवन, नई दिल्ली, राज्य अभिलेखागार, बिहार, पटना, खुदाबख्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना एवं एल.एस. कॉलेज पुस्तकालय, मुजफ्फरपुर का योगदान भी अहम् रहा है। पाण्डुलिपि तैयार करने में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् के संकाय सदस्य एवं अन्य राष्ट्रस्तरीय संस्थान द्वारा विकसित पुस्तकों के अलावा अनेक प्रकाशनों की पुस्तकें संदर्भ ग्रंथ के रूप में उपयोगी साबित हुयीं। पुस्तक लेखन के क्रम में जिलाधिकारी, भागलपुर श्री नर्मदेश्वर लाल, श्री संतोष कुमार अनुमंडला पदाधिकारी पालीगंज, डा० समीर सिन्हा व्याख्याता सुन्दरवती महिला कॉलेज, भागलपुर एवं साहित्यकार शिव कुमार शिव द्वारा प्राप्त सहयोग भी महत्वपूर्ण साबित हुआ।

आशा है इतिहास की यह पुस्तक वर्ग VIII के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी एवं लाभदायक होगी। इस पुस्तक के लिए समालोचनाएँ एवं सुझावों का परिषद् स्वागत करेगी, और उसके प्रति संवेदनशील होकर अगले संस्करण में त्रुटियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

हसन वारिस
निदेशक प्रभारी
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना–6

दिशा बोध–सह पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, विशेष कार्य पदाधिकारी, बी॰टी॰बी॰सी॰, पटना
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य,** शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **श्री हसन वारिस,** निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

विषय विशेषज्ञ

डॉ. (प्रो.) इम्तियाज अहमद – निदेशक, खुदाबख्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना

डॉ. गौतम पांडेय – राज्य प्रमुख, अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन, (राजस्थान)

लेखक सदस्य

डॉ. सुनीता शर्मा – व्याख्याता, बी.डी. इवनिंग कॉलेज, पटना।

डॉ. माधुरी द्विवेदी – शिक्षिका, पटना कालेजिएट स्कूल, पटना।

डॉ. पूर्णनाथ कुमार – शिक्षक, बालक मध्य विद्यालय, मछुआटोली, पटना।

डॉ. नरेन्द्र देव – शिक्षक, मध्य विद्यालय, राजाहरि, परैया, गया।

श्री अंजनी कुमार – शिक्षक, प्रा. वि. शेरपुर, भुईटोली, गया।

श्री ज्ञान रंजन – शिक्षक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शकूराबाद, जहानाबाद।

श्रीमती शांता कुमारी – शिक्षिका, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पतूत, विक्रम।

हर्षवर्द्धन कुमार – शिक्षाशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

समन्वयक

डॉ. (श्रीमती) वीर कुमारी कुजूर – व्याख्याता, एस.सी.इ.आर.टी. पटना।

रामविनय पासवान – व्याख्याता, एस.सी.इ.आर.टी. पटना।

समीक्षक

डॉ. नीहार नंदन प्रसाद सिंह – पूर्व कुलपति, भीमराव अम्बेदकर वि.वि, मुजफ्फरपुर

डॉ. रत्नेश्वर मिश्र – पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, एल.एन. मिथिला वि.वि., दरभंगा।

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	अध्याय का शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	कब, कहाँ और कैसे	01–22
2.	भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना	23–41
3.	ग्रामीण जीवन और समाज	42–55
4.	उपनिवेशवाद एवं जनजातीय समाज	56–72
5.	शिल्प एवं उद्योग	73–84
6.	अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष (1857 का विद्रोह)	85–98
7.	ब्रिटिश शासन एवं शिक्षा	99–114
8.	जातीय व्यवस्था की चुनौतियाँ	115–127
9.	महिलाओं की स्थिति एवं सुधार	128–142
10.	अंग्रेजी शासन एवं शहरी बदलाव	143–165
11.	कला क्षेत्र में परिवर्तन	166–184
12.	राष्ट्रीय आन्दोलन 1885–1947	185–215
13.	स्वतंत्रता के बाद विभाजित भारत का जन्म	216–236
14.	हमारे इतिहासकार कालीकिंकर दत्त (1905 – 1983)	237–240